माथे पे बिंदिया चमके | By Tripti Shakya |

माथे पे बिंदिया चमके
कानो में बाली चमके
लाल लाल होंठो पे लाली चमके
शेरावाली की चुनरिया तारो वाली चमके

मोती जड़ी नथुनिया चमके
गले जड़ाऊ हार है
तीन लोक शर्माए ऐसा
मैया का श्रृंगार है
मूरत निराली चमके
सूरत निराली चमके
लाल लाल होंठो पे लाली चमके
शेरावाली की चुनरिया तारो वाली चमके

हाथ में कंगन खनक रहा है
जिसमे हीरे चमकीले
नौ रत्नो की शान अनोखी
चमक रहे नीले पीले
हाथों में लाली चमकी
मेहंदी निराली चमके
लाल लाल होंठो पे लाली चमके
शेरावाली की चुनरिया तारो वाली चमके

अष्ट भुजाएं अस्त्र शास्त्र से
चमक रही है मैया जी
पाँव की पायल छनक रही है
देदो शीतल छैया जी
वाहन बलशाली चमके
मधुरस की प्याली चमके
लाल लाल होंठो पे लाली चमके
शेरावाली की चुनरिया तारो वाली चमके

तृप्ति लाड़ली तेरी मैया
चरणों में स्थान दो
हर पल मुख पर नाम हो तेरा
मुझे बेधड़क दान दो
मेरे गुनाहो की माँ
चादर ये काली चमके
लाल लाल होंठो पे लाली चमके
शेरावाली की चुनरिया तारो वाली चमके

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%a5%e0%a5%87-%e0%a4%aa%e0%a5%87-%e0%a4%ac%e0%a4%bf%e0%a4%82%e0%a4%a6%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%9a%e0%a4%ae%e0%a4%95%e0%a5%87-by-tripti-shakya/